

Chapter: 1 to 9

विभाग १ - गद्य

प्र. (अ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (गद्य)

१

अमरू को कुछ कहना नहीं पड़ा। उसके पीछे कुछ आदमी आ रहे थे, उन्होंने मुझे सारा मामला समझा दिया। बात यह हुई कि जैसे अमरू कंधे पर बोरी लटकाए बिल्ली को बाहर छोड़ने जा रहा था; कुछ लोगो को शक हुआ कि बोरी में बच्चा है। दो आदमी चुपके-चुपके उसके पीछे हो लिए। उन्होंने देखा कि बोरी अंदर से हिल रही है। बस, उन्हें विश्वास हो गया कि इस बदमाश ने किसी बच्चे को पकड़ा है। अमरू स्वभाव से अल्पभाषी है, कुछ मसखरा भी है। वह चुप रहा। देखते-देखते पचासों आदमी इकट्ठे हो गए। उनमें से एक चिल्लाकर कहने लगा, “घेर लो इस आदमी को, यह बदमाश उसी गिरोह मे से है जिसका काम बच्चे पकड़ना है।” उस जगह से पुलिस थाना भी बहुत दूर नहीं था। एक आदमी लपक कर थाने गया और वहाँ से थानेदार और एक सिपाही को बुला लाया। थानेदार को देखते ही एक उत्साही दर्शक अपने कुर्ते की बाहें ऊपर चढ़ाते हुए बोला, “दरोगा जी, ऐसा नहीं हो सकता कि आप इस बदमाश को चुपचाप यहाँ से ले जाएँ और कानूनी कार्यवाही की आड़ में इसे हवालात के मजे लेने दें। पहले इसकी जी भर के मरम्मत होगी। गज़ब नहीं है कि भरे मुहल्ले से बच्चे उठा लिए जाएँ ? दो दिन हुए पासवाली गली से एक बच्चा गुम हो गया। देवनगर से तो कई उठाए जा चुके हैं। आप बाद में इसके साथ चाहे जो करें पहले हम लोग इसकी पिटाई करेंगे।” भीड़ में से दसियों ने इस सुंदर प्रस्ताव का समर्थन किया और लोग अमरू को पीटने के लिए मानो तैयार होने लगे।

उन दिनों दिल्ली में बड़ी सनसनी फैली हुई थी। नगर के सभी भागों से बच्चों के उठाए जाने की खबरें आ रही थीं। एक-दो बार पत्रों में यह छपा कि जमुना के पुल पर कुछ आदमी पकड़े गए जिन्होंने बोरियों में बच्चे बंद किए हुए थे। स्कूलों से बच्चे बहुत सावधानी से लाए जाते थे। पार्कों में और बाहर गलियों में बच्चों का खेलना-कूदना बंद हो चुका था। दिल्ली नगरपालिका और संसद में इसी विषय पर अनेक सवाल-जवाब हो चुके थे इसलिए इस मामले में राजधानी के सभी नागरिकों की दिलचस्पी थी। आश्चर्य इस बात का नहीं कि लोगों ने अमरू पर संदेह क्यों किया, बल्कि इस बात का था कि उन्होंने अभी तक उसकी मार-मार पिटाई शुरू क्यों नहीं कर दी। वातावरण में सनसनी और तनाव की कमी न थी।

1 A1) ..

2

निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए।

- लोगों को शक हुआ बोरी में बच्चा है।
- उस जगह से पुलिस थाना बहुत दूर था।
- लोग बच्चा चुराने के शक में अमरू को फूलमाला पहनना चाहते थे।
- एक आदमी चुपके - चुपके उसके पीछे हो लिया।

A

2

2) ..

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो।

- ..... को कुछ कहना नहीं पड़ा।
- दो आदमी चुपके-चुपके ..... पीछे हो लिए।
- ..... से तो कई उठाए जा चुके हैं।
- ..... में बड़ी सनसनी फैली हुई थी।

A

2

3) ..

निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए।

- व्यस्त होना
- परामर्श करना

A

2

4) ..

स्वमत.

दिल्ली में सनसनी फैलने का कारण अपने शब्दों में लिखिए।

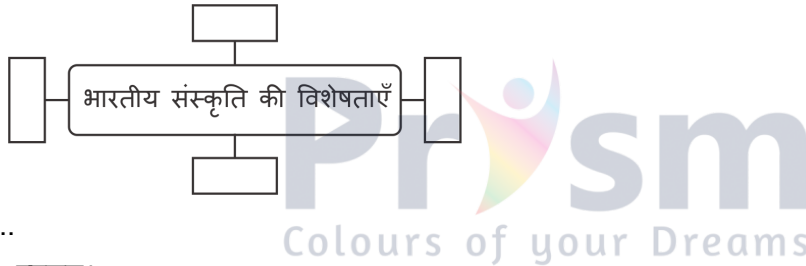
(आ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (अपठित गद्यांश)

भारतीय संस्कृति गंगा की - सी पवित्र धारा है, जो सदियों से प्रवाहमान है। दुर्भाग्य से आज हम अपनी संस्कृति से दूर होते जा रहे हैं। पश्चिमी सभ्यता की चकाचौंध ने हमें दिशाभ्रमित कर दिया है तथा हम भारतीय संस्कृति के उच्चादर्शों, जीवन मूल्यों तथा गौरव शाली परंपराओं को विस्मृत करते जा रहे हैं। विडंबना यह है कि आज की शिक्षा पद्धति में भी भारतीय संस्कृति तथा इसके मूलभूत तत्वों को कोई स्थान नहीं दिया गया है। इसके कारण युवा वर्ग में अपनी संस्कृति के प्रति आस्था, श्रद्धा, विश्वास और आदर की भावना का सर्वथा अभाव है। आज इस बात की अधिक आवश्यकता है कि हम अपनी गौरवशाली संस्कृति को अपनाएँ और उन्हीं के अनुकूल चलने का प्रयास करें।

1 A1) ..

2

अनुच्छेद पढ़कर दी गई कृतियाँ पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

स्वमत।

'संस्कृति' शब्द के विषय में अपने विचार लिखिए।

विभाग २ - पद्य

प्र. (अ) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ पूर्ण कीजिए - (पद्य)

२

यह हार एक विराम है  
जीवन महा-संग्राम है  
तिल-तिल मिट्टूंगा पर दया की भीख मैं लूँगा नहीं।  
वरदान माँगूँगा नहीं ॥

स्मृति सुखद प्रहरों के लिए  
अपने खंडहरों के लिए  
यह जान लो मैं विश्व की संपत्ति चाहूँगा नहीं  
वरदान माँगूँगा नहीं ॥

क्या हार में क्या जीत में  
किंचित नहीं भयभीत मैं  
संघर्ष पथ पर जो मिले, यह भी सही वह भी सही।  
वरदान माँगूँगा नहीं ॥

लघुता न अब मेरी छुआ

तुम ही महान बने रहो  
अपने हृदय की वेदना मैं व्यर्थ त्यागूँगा नहीं।  
वरदान माँगूँगा नहीं।।

चाहे हृदय को ताप दो  
चाहे मुझे अभिशाप दो  
कुछ भी करो कर्तव्य पथ से किंतु भागूँगा नहीं।  
वरदान माँगूँगा नहीं।।

1 A1) ..

2

- i. स्पष्ट कीजिए।
  १. जीवन है - .....
  २. यह एक विराम है - .....
- ii. पद्यांश के आधार पर प्रश्न तैयार कीजिए।
  १. ....
  २. ....

A2) ..

2

- शुद्ध वाक्य लिखिए।
- (i) लता कितनी मधुर गाती है।
  - (ii) तितली के पास सुंदर पंख होते हैं।
  - (iii) यह भोजन दस आदमी के लिए है।
  - (iv) कश्मीर में कई दर्शनीय स्थल देखने योग्य है।

A3) ..

2

भावार्थ लिखिए।  
निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।  
स्मृति सुखद प्रहरों के लिए  
अपने खंडहरों के लिए  
यह जान लो मैं विश्व की संपत्ति चाहूँगा नहीं  
वरदान माँगूँगा नहीं।।

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(6)

चारु चन्द्र की चंचल किरणें  
खेल रही है जल – थल मे।  
स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है  
अवनि और अंबर तल मे।।

पुलक प्रगत करती है धरती  
हरित तृणों की नोकों से।  
मानो झूमझूम रहे है तरु भी  
मंद पवन के झोंकों झोंकों से।।

क्या ही स्वच्छ चाँदनी है यह  
है क्या ही निस्त्वध निशा।  
है स्वच्छंद – सुमंद गंध वह  
निरानंद है कौन दिशा?

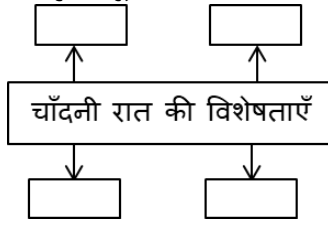
बंद नहीं, हीं अब भी चलते है  
नियति नटी के कार्य-कलाप।

पर कितने एकांत भाव से  
कितने शांत और चुपचाप।।

1 A1) ..

2

आकृति पूर्ण कीजिए।



A2) ..

2

- (i) निम्नलिखित शब्दों के लिए पद्यांश में से शब्द ढूँढ कर लिखिए।  
(१) खुशी - .....  
(२) सुंदर - .....
- (ii) निम्नलिखित वाक्यों में से सहायक क्रिया पहचान कर उनका मूल रूप लिखिए।  
(१) प्रकृति अपना काम ना कर सकी।  
(२) सूर्य अस्त हो गया।

A3) ..

2

भावार्थ लिखिए।

उपरोक्त पद्यांश में से अंतिम की आठ पंक्तियों का भावार्थ स्पष्ट कीजिए।  
(क्या ही स्वच्छ ..... और चुपचाप।।)

विभाग ३ - पूरक पठन

परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए - (पूरक पठन)

(4)

अति सुरंग है रंग रेंगीलो । है गुणवंत बहुत चटकीलो ।।  
राम भजन बिन कभी न सोता । क्यों सखि साजन ? ना सखि तोता ।।

(4)

अर्धनिशा वह आयो भौन । सुंदरता बरनै कवि कौन ।।  
निरखत ही मन भयो अनंद । क्यों सखि साजन ? ना सखि चंद ।।

शोभा सदा बढ़ावन हारा । आँखिन से छिन होत न न्यारा ।।  
आठ पहर मेरो मनरंजन । क्यों सखि साजन ? ना सखि अंजन ।।

जीवन सब जग जासों कहै । वा बिनु नेक न धीरज रहै ।।  
हरै छिनक में हिय की पीर । क्यों सखि साजन ? ना सखि नीर ।।

बिन आए सबहीं सुख भूले । आए ते अँग-अँग सब फूले ।।  
सीरा भई लगावत छाती । क्यों सखि साजन ? ना सखि पाती ।।

1 A1) ..

2

निम्नलिखित वाक्य सत्य या असत्य हैं पहचानकर लिखिए।

- (i) काजल नायिका के मन को भाता है।  
(ii) सिंदूर आठों पहर नायिका के मांग में रहता है।  
(iii) पत्र के आते ही अंग-अंग प्रसन्न होने लगता है।  
(iv) अंजन को नायिका छाती से लगा लेती है।

A2) ..

2

भावार्थ लिखिए।

प्रस्तुत पंक्तियों का सरल अर्थ लिखिए।

जीवन सब जग जासों कहै । वा बिनु नेक न धीरज रहै ॥  
हरै छिनक में हिय की पीर । क्यों सखि साजन ? ना सखि नीर ॥

प्र. ४  
व्याकरण

1. अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए (2)
  - 1) बड़े आदमी को डर लगता है
  - 2) पंचवटी की छाया में सुंदर कुटी बनी है ।
2. सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए (2)
  - 1) हमने गीता क वर्ग चलाया । (अपूर्ण वर्तमान)
  - 2) रमा पराठे को पूछ रही थी । (अपूर्ण वर्तमान)
3. निम्न शब्दों को संधि विच्छेद कर भेद लिखिए (2)
  - 1) सत्यग्रह –
  - 2) जलाशय -
4. वाक्यों में रेखांकित क्रियाओं के भेद लिखिए । (2)
  - 1) ऊँट अपनी सवारियों का इंतजार कर रहे थे ।
  - 2) श्रीमान उजड़ु गँवार हेतू के मुँह की ओर देखने लगे ।

प्र. ५  
उपयोजित लेखन

1. पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए (5)

प्रशांत/ प्राज्क्ता देशपांडे, समर्थनगर, लातूर से अपनी एस-एस-सी परीक्षा की प्रमाण पत्र पाने हेतु राजर्षि शाहु, महाराज उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्रधानचार्य को पत्र लिखता/लिखती है।

OR

205 / 16, बालाजी नगर, कोलकाता से श्याम / श्यामा मुखर्जी कों जिला विज्ञान प्रदर्शनी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने के उपलक्ष्य में उसके मित्र / सहेली, मोहन। ज्योती ने बधाई पत्र भेजा है। 206/20 बड़ा बाजार, वाराणसी को पत्र लिखकर जवाब देता। है देती है।

2. विज्ञापन लेखन (5)

एक दंतमंजन का विज्ञापन तैयार कीजिए।